vkj- ,u- vkbZ- ua- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- la[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 16 vad % 27 y[kuÅ] eaxyokj 21 vDrwcj 2025 ls 27 vDrwcj 2025 rd i"B&8 ewY; % ,d :i;k

देश में दीपावली की धूम, उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा त्यौहार

नई दिल्ली। देश भर में दीपावली की धूम है। पूरे देश में आज जबरदस्त तरीके से उत्साह और उमंग का माहौल दिख रहा है। पूरे देश में अलग–अलग तरीके से दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा है। हर तरफ आतिशबाजी हो रही है। साथ ही साथ दिये और इलेक्ट्रिक बल्ब के साथ अलग–अलग जगहों पर सजावट देखने को मिल रही है। अमावस्या के दिन यह पर्व पूरे देश में मनाया जाता है। श्रीनगर का लाल चौक हो या कोलकाता का विक्टोरिया महल या फिर गुजरात का कोई शहर हो या हमेशा जागती रहने वाली मुंबई हो, हर तरफ उजाला साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पटना, लखनऊ में भी जबरदस्त तरीके से सजावट देखने को मिल रही है। हर तरफ आतिशबाजी हो रही है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां बांट रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राष्ट्रपति भवन गए और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म ग पर मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति को फूलों का गुलदस्ता भेंट करते हुए दिखाई

दे रहे हैं। इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने ट्वीट किया, 'दिवाली के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ। रोशनी का यह त्योहार हमारे जीवन को सद्भाव, खुशी और समृद्धि से प्रकाशित करे। हमारे चारों ओर सकारात्मकता की भावना व्याप्त रहे।' इस त्यौहार के भव्य आयोजन में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नौसेना के जवानों के साथ भारत के स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रांत पर भी दिवाली मनाई। नौसेना अधिकारियों और नौसैनिकों को संबोधित करते हुए, मोदी ने युद्धपोत के सामरिक महत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, 'आईएनएस विक्रांत के नाम ने ही पाकिस्तान की नींद उड़ा दी थी। अगर सिर्फ इसका नाम ही दुश्मन के हौसले पस्त कर सकता है, तो वह आईएनएस विक्रांत ही है।' इस पल के बारे में भावुक होते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज का दिन अद्भुत है। यह दृश्य अविस्मरणीय है। एक तरफ मेरे सामने समंदर है, तो दूसरी तरफ भारत माता के वीर जवानों की ताकत।' आईएनएस विक्रांत पर प्रधानमंत्री का दिवाली उत्सव भारत की बढ़ती समुद्री ताकत और उसके सशस्त्र बलों के समर्पण का प्रतीक था, जिसने इस साल के त्यौहार को और भी खास बना दिया।

अयोध्या में योगी की दिवाली: निषाद–दलितों के साथ मिलकर खुशियां बांटेंगे सीएम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएँ दीं और सभी के जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली की कामना की। दिवाली को प्रकाश पर्व के रूप में जाना जाता है, जो अधर्म पर धर्म, अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की आध्यात्मिक विजय का प्रतीक है। यह पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, जहाँ लोग मिट्टी के दीये और मोमबत्तियाँ जलाकर देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। X पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्य, शाश्वत धर्म और सकारात्मकता की शाश्वत विजय के पावन प्रतीक, दिवाली के महापर्व पर आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ! प्रकाश पर्व केवल दीप जलाने का अनुष्ठान नहीं है, बल्कि आत्मा में आशा की किरण, समाज में सद्भाव का संचार और राष्ट्रीय पुनरुत्थान का संकल्प है। योगी ने कहा कि प्रभु श्री राम और माता जानकी की कृपा न केवल हमारे घरों को, बल्कि हमारे हृदयों को भी प्रकाशित करे और

सभी के जीवन में आस्था, उत्साह और उमंग का दीप प्रज्वलित हो। दिवाली मनाने के लिए अयोध्या में मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कंधारपुर वार्ड–१ का दौरा करेंगे। इस दौरान, वह निषाद समुदाय के निवासियों से मिलेंगे, फल और मिठाइयाँ बाँटेंगे और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएँ देंगे। वह अयोध्या के मत्तगजेंद्र (मातागईद) देवकाली वार्ड का भी दौरा करेंगे, जहाँ वह दलित समुदाय के लोगों से मिलेंगे और फल और मिठाइयाँ बाँटेंगे। अयोध्या १७ अक्टूबर से शुरू हुए अपने नौवें दीपोत्सव के भव्य समापन के लिए तैयार है। सोमवार को सरयू नदी के किनारे ५६ घाटों पर २६,११,१०१ दीये जलाकर यह उत्सव अपने चरम पर पहुँच जाएगा, जो शहर के आध्यात्मिक उत्सवों में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। दीपोत्सव २०२५ में असाधारण भागीदारी देखने को मिलेगी – २६ लाख दीये, २,१०० वैदिक विद्वान, १,१०० ड्रोन और ३३,००० स्वयंसेवक – भक्ति, संस्कृति और तकनीक के जीवंत संगम में, जो आस्था और विरासत के वैश्विक प्रतीक के रूप में अयोध्या के बढ़ते कद को दर्शाता है।

पुलिस के साथ झड़प के एक दिन बाद जेएनयू के छह छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छह छात्रों के खिलाफ सोमवार को मामला दर्ज कर शांति बनाये रखने के लिये उनसे बॉण्ड भरवाया। इनमें छात्र संघ के तीन पदाधिकारी भी शामिल हैं। यह घटना छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प के एक दिन बाद हुई। वसंत कुंज (उत्तर) पुलिस थाने तक विरोध मार्च के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हो गई, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। जेएनयू छात्रसंघ के अध्यक्ष नीतीश कुमार, उपाध्यक्ष मनीषा, महासचिव मुन्तेहा फातिमा और छात्र मणिकांत पटेल, ब्रिटी कर एवं सौर्य मजूमदार से बॉण्ड भरवाया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बॉण्ड के तहत छात्रों को कानूनी तौर पर बुलाए जाने पर जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा और अगर वे शहर छोड़ने का इरादा रखते हैं तो पुलिस को पहले सूचित करना होगा। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ वसंत कुंज (उत्तर) पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा २८ अन्य छात्रों को दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा ६५ के तहत हिरासत में लिया गया और बाद में चिकित्सा परीक्षण के बाद रिहा कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, नेल्सन मंडेला मार्ग पर छात्रों द्वारा कथित तौर पर बैरिकेड्स तोड़ने और यातायात बाधित करने के दौरान छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। आइसा और एसएफआई सहित वामपंथी संगठनों द्वारा आयोजित यह विरोध मार्च अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर आयोजित किया गया था। छात्रों ने आरएसएस समर्थित समूह पर हाल

ही में परिसर में एक आम सभा के दौरान वामपंथी छात्रों पर हमला करने का आरोप लगाया। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें तितर–बितर करने के लिए बर्बर हमला किया। जेएनयू शिक्षक संघ ने पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे 'अनुपातहीन और राजनीति से प्रेरित' बताया। इसने शाम ७ बजे के बाद छात्राओं को हिरासत में लिए जाने पर भी चिंता व्यक्त की और प्रशासन से विश्वविद्यालय की 'लोकतांत्रिक छात्र राजनीति की परंपरा' की रक्षा करने का आग्रह किया। पुलिस ने हालांकि, आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि व्यवस्था बनाए रखने और तनाव बढ़ने से रोकने के लिए उनकी कार्रवाई आवश्यक थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन किए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव संपन्न होने के बाद सोमवार की सुबह भगवान श्रीरामलला के दर्शन किए। इससे पहले, योगी संकट मोचन हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमान जी की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। आधिकारिक बयान के मुताबिक, योगी ने हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत प्रेमदास से भी मुलाकात की। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर "जय श्रीराम" के उद्घोष से गूंज उठा और संतों एवं पुजारियों ने पारंपरिक विधि से उनका स्वागत किया। बयान के अनुसार, हनुमानगढ़ी से निकलने के बाद योगी सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने रामलला के दर्शन–पूजन के बाद दरबार में आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। मुख्यमंत्री ने राम दरबार में भी दर्शन–पूजन कर प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण की प्रार्थना की। दर्शन के बाज जब वह मंदिर परिसर से बाहर निकले, तो श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया और बच्चों को आशीर्वाद दिया।

सम्पादकीय

महा–गठबंधन की राह आसान नहीं।

बिहार में महा–गठबंधन उद्देश्य की एकता का संदेश देने में विफल रहा है। इसके बदले उसकी छवि सत्ता संघर्ष में जुटे नेताओं और गुटों के समूह की बनी है। गठबंधन की मुश्किलें अलग–अलग स्तरों पर हैं। पहला स्तर तो लालू प्रसाद यादव का परिवार है, जिसमें टूट–फूट की चर्चाओं और दुरभिसंधि की अटकलों से भ्रम लगातार गहराता गया है। इसी तरह कांग्रेस के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर रिश्वतखोरी तक के इल्जाम लगे हैं, जिसका खराब असर गठबंधन की छवि पड़ा है। फिर घटक दलों का अपनी ताकत को लेकर पाला गया भ्रम है, जिससे सीटों का तालमेल बनाना कठिन साबित हुआ। राहुल गांधी को सोशल मीडिया पर मिले नए समर्थकों के आधार पर कांग्रेस के भीतर गलतफहमी बनी है कि गांधी की लोकप्रियता के कारण अब पार्टी अपनी ताकत जताने की हैसियत में है। फिर मुकेश सहनी जैसे नेता हैं, जिन्होंने खुद को उप–मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करवाने की जिद ठानी है, जबकि कांग्रेस तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा मानने तक को तैयार नहीं है! यह अपने–आप में भ्रामक धारणा है कि किसी जाति विशेष से आए नेता उस पूरी जाति के वोट के मालिक हैं। चूंकि आरजेडी यादव वोटों को अपनी जागीर मानती है, तो उसके लिए यह सोचना आसान था कि सहनी को जोड़ने से मल्लाह और पशुपति पारस को जोड़ने से दलितों की कुछ जातियां महा–गठबंधन के हिस्से में आ जाएंगी।उधर कांग्रेस, लेफ्ट, जेएमएम आदि के साथ होने से गठबंधन की सेक्यूलर छवि बनेगी, जिससे मुस्लिम स्वतः इससे जुड़ने को मजबूर होंगे। अब साफ है कि ऐसी धारणा बनाना आरजेडी को महंगा पड़ा है। पारस और जेएमएम अलग हो चुके हैं, जबकि सहनी और कांग्रेस अपनी पूरी कीमत वसूल करने पर आमादा हैं। नतीजा महा–गठबंधन का चूं–चूं का मुरब्बा बन जाना है। इसका मुकाबला एनडीए से है, जिसमें वैसे तो अपने मतभेदों और टकराव की कमी नहीं है, लेकिन सेंट्रल लीडरशिप के दबाव में कुल मिलाकर सीटों का तालमेल तो बेहतर ढंग से हो ही गया है। फिर बीच में प्रशांत किशोर हैं, जिन्होंने अलग से अनिश्चितता जोड़ी हुई है, जिसने महा–गठबंधन की मुश्किलें और गहरा गई हैं।

रामनगरी अयोध्या ने दीपोत्सव पर दो विश्व कीर्तिमान गढ़े, २६ लाख दीये और २१०० वेदाचार्यों की सरयू आरती

अयोध्या। भगवान राम के घर वापस अयोध्या पहुंचने के उपलक्ष्य में, इस बार दिवाली पर पूरी अयोध्या रोशनी से जगमगा उठी। इस भव्य दीपोत्सव पर अयोध्या के नाम एक नहीं, बल्कि दो विश्व कीर्तिमान दर्ज हुए। राम की पैड़ी के ५६ घाटों पर २६ लाख ११ हजार दीये जलाए गए। ड्रोन से दीयों की गिनती करने के बाद, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से स्वप्निल दंगारीकर और कंसल्टेंट निश्चल बरोट ने इस नए कीर्तिमान की घोषणा की। यह अयोध्या का लगातार नौवां विश्व रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अद्भुत और अविस्मरणीय पल के साक्षी बने। दूसरा रिकॉर्ड सरयू आरती का रहा, जिसमें एक साथ २१०० वेदाचार्यों ने हिस्सा लिया। योगी सरकार ने यह अनोखा रिकॉर्ड दूसरी बार हासिल किया है। दीपोत्सव मनाने शहर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस

अवसर का उपयोग समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने के लिए किया। उन्होंने कहा कि सपा ने शहर को वर्षों तक अंधेरे में रखा। आदित्यनाथ ने सपा के विरोधियों और बीजेपी की तुलना करते हुए एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, ‘जिन लोगों ने (राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर) गोलियां चलाईं, वे २०२४ में राम मंदिर के अभिषेक के लिए कभी नहीं आए।’

समाज तोड़क और राष्ट्र तोड़क तत्वों से रहना होगा सावधानः सीएम योगी

लखनऊ/अयोध्या। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को कारसेवकपुरम पहुंचे। यहां उन्होंने संतों के साथ बैठक की। चर्चा के पश्चात सीएम योगी ने संतों के साथ अल्पाहार ग्रहण किया। सीएम ने संतों का सम्मान भी किया। इसके बाद कारसेवकपुरम की गौशाला में गायों को गुड़, चना और केला खिलाया। कारसेवकपुरम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली मिलन कार्यक्रम को संबोधित किया। अयोध्या, २० अक्टूबर’ सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को कारसेवकपुरम पहुंचे। यहां उन्होंने संतों के साथ बैठक की। चर्चा के पश्चात सीएम योगी ने संतों के साथ अल्पाहार ग्रहण किया। सीएम ने संतों का सम्मान भी किया। इसके बाद कारसेवकपुरम की गौशाला में गायों को गुड़, चना और केला खिलाया। कारसेवकपुरम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली मिलन कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि त्योहार का उत्साह तभी सार्थक होता है, जब समाज के हर तबके को अपनी खुशी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा, त्योहार का उत्साह तभी है, जब हम अपनी खुशी के साथ समाज के हर तबके को और अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को गले लगाकर खुशी के साथ जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी दर्शन के उपरांत जब वे आगे बढ़े तो उन्हें अयोध्या धाम की स्वच्छता के नए मानक गढ़ने वालों के बीच पहुंचने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद वे उन लोगों की बस्ती में पहुंचे, जो जीवन भर लोगों को नदी पार करवाते हैं।सीएम योगी बोले, निषाद बस्ती में जाकर मुझे मिष्ठान वितरण का अवसर प्राप्त हुआ। भगवान श्रीराम ने भी तो यही किया था। उन्होंने निषाद राज को गले लगाया था, शबरी के जूठे बेर खाकर कृतज्ञता ज्ञापित की थी। भगवान राम का इंतजार कर रही शबरी प्रभु का दर्शन करके अभिभूत थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आज हम समाज को जोड़ने का कार्य करेंगे तो रामराज्य को आने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। यह आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना और रामराज्य की अवधारणा को साकार करेगा। सीएम योगी ने कहा कि त्योहार का उत्साह तभी सार्थक होता है, जब समाज के हर तबके को अपनी खुशी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा, त्योहार का उत्साह तभी है, जब हम अपनी खुशी के साथ समाज के हर तबके को और अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को गले लगाकर खुशी के साथ जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी दर्शन के उपरांत जब वे आगे बढ़े तो उन्हें अयोध्या धाम की स्वच्छता के

नए मानक गढ़ने वालों के बीच पहुंचने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद वे उन लोगों की बस्ती में पहुंचे, जो जीवन भर लोगों को नदी पार करवाते हैं।सीएम योगी बोले, निषाद बस्ती में जाकर मुझे मिष्ठान वितरण का अवसर प्राप्त हुआ। भगवान श्रीराम ने भी तो यही किया था। उन्होंने निषाद राज को गले लगाया था, शबरी के जूठे बेर खाकर कृतज्ञता ज्ञापित की थी। भगवान राम का इंतजार कर रही शबरी प्रभु का दर्शन करके अभिभूत थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आज हम समाज को जोड़ने का कार्य करेंगे तो रामराज्य को आने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। यह आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना और रामराज्य की अवधारणा को साकार करेगा। सीएम योगी ने कहा कि त्योहार का उत्साह तभी सार्थक होता है, जब समाज के हर तबके को अपनी खुशी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा, त्योहार का उत्साह तभी है, जब हम अपनी खुशी के साथ समाज के हर तबके को और अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को गले लगाकर खुशी के साथ जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी दर्शन के उपरांत जब वे आगे बढ़े तो उन्हें अयोध्या धाम की स्वच्छता के नए मानक गढ़ने वालों के बीच पहुंचने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद वे उन लोगों की बस्ती में पहुंचे, जो जीवन भर लोगों को नदी पार करवाते हैं।सीएम योगी बोले, निषाद बस्ती में जाकर मुझे मिष्ठान वितरण का अवसर प्राप्त हुआ। भगवान श्रीराम ने भी तो यही किया था। उन्होंने निषाद राज को गले लगाया था, शबरी के जूठे बेर खाकर कृतज्ञता ज्ञापित की थी। भगवान राम का इंतजार कर रही शबरी प्रभु का दर्शन करके अभिभूत थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आज हम समाज को जोड़ने का कार्य करेंगे तो रामराज्य को आने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। यह आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना और रामराज्य की अवधारणा को साकार करेगा। सीएम योगी ने कहा कि त्योहार का उत्साह तभी सार्थक होता है, जब समाज के हर तबके को अपनी खुशी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा, त्योहार का उत्साह तभी है, जब हम अपनी खुशी के साथ समाज के हर तबके को और अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को गले लगाकर खुशी के साथ जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी दर्शन के उपरांत जब वे आगे बढ़े तो उन्हें अयोध्या धाम की स्वच्छता के नए मानक गढ़ने वालों के बीच पहुंचने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद वे उन लोगों की बस्ती में पहुंचे, जो जीवन भर लोगों को नदी पार करवाते हैं।सीएम योगी बोले, निषाद बस्ती में जाकर मुझे मिष्ठान वितरण का अवसर प्राप्त हुआ। भगवान श्रीराम ने भी तो यही किया था। उन्होंने निषाद राज को गले लगाया था, शबरी के जूठे बेर खाकर तज्ञता ज्ञापित की थी। भगवान राम का इंतजार कर रही शबरी प्रभु का दर्शन करके अभिभूत थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आज हम समाज को जोड़ने का कार्य करेंगे तो रामराज्य को आने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। यह आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना और रामराज्य की अवधारणा को साकार करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपस्थित संत समाज से दीपावली

पर विशेष आग्रह किया। उन्होंने कहा, जहां अभाव है, वहां अपने आशीर्वाद से इस कमी को पूरा करिए। दीपावली का मिष्ठान वहां तक पहुंचाने में योगदान जरूर दें। सीएम योगी ने पूरे प्रदेशवासियों को दीपावली की मंगलमय शुभकामनाएं दीं और कहा कि दीपावली का पर्व केवल घरों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसकी रोशनी पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने श्री राम जन्मभूमि न्यास के महासचिव चंपत राय, वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम नायक, गोपाल जी सहित सभी वरिष्ठ प्रचारकों और स्वयंसेवकों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, पूज्य संतों का एक बार फिर अभिनंदन करता हूं। जय जय श्री राम।

150 सफाई कर्मचारियों और 50 नाविकों को सम्मानित किया’

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम कथा पार्क के हेलीपैड के पास नगर निगम के १५० सफाई कर्मचारियों और ५० नाविकों को सम्मानित भी किया। इसके साथ ही उन्हें उपहार भी भेंट किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मियों और नाविकों के उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें बधाई और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

अंधेरा फैलाने वाले राम मंदिर के उजाले में नहीं

लखनऊ। दीपोत्सव मनाने अयोध्या आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर का उपयोग समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने के लिए किया। उन्होंने कहा कि सपा ने शहर को वर्षों तक अंधेरे में रखा। आदित्यनाथ ने सपा के विरोधियों और बीजेपी की तुलना करते हुए एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने (राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर) गोलियां चलाईं, वे २०२४ में राम मंदिर के अभिषेक के लिए कभी नहीं आए।' उन्होंने आगे कहा, 'राम मंदिर आंदोलन के दौरान, मंदिर निर्माण को रोकने के लिए अधिवक्ताओं को तैनात किया गया था। उन्होंने गोलियां चलाईं, जबकि हमने दीये जलाए।' आदित्यनाथ यहां तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने अक्टूबर १९९० में पुलिस को गोली चलाने का आदेश दिया था। यह कार्रवाई उन कारसेवकों के खिलाफ की गई थी जो बाबरी मस्जिद की ओर मार्च कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने संघर्ष और आस्था पर

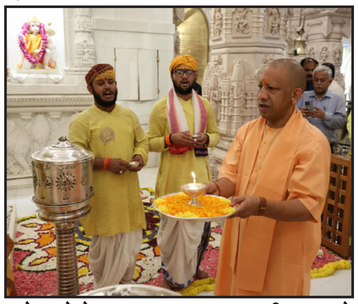

जोर देते हुए कहा, 'हर दीया हमें याद दिलाता है कि सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं किया जा सकता। सत्य की नियति विजयी होना है। और इसी विजय की नियति के साथ सनातन धर्म ५०० वर्षों से निरंतर संघर्ष कर रहा है। इन्हीं संघर्षों के परिणामस्वरूप अयोध्या में एक भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण हुआ है।'अक्टूबर १९९० में, मुलायम सिंह यादव ने लालकृष्ण आडवाणी और बाबरी मस्जिद की ओर मार्च कर रहे श्रद्धालुओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का आदेश दिया था। उन्होंने तब कहा था, 'उन्हें अयोध्या में प्रवेश करने की कोशिश करने दीजिए। हम उन्हें कानून का मतलब सिखाएंगे। कोई मस्जिद नहीं तोड़ी जाएगी।' हालांकि, आडवाणी अयोध्या नहीं पहुंच पाए और उन्हें पड़ोसी राज्य बिहार में गिरफ्तार कर लिया गया था। तब तक, कई कारसेवक शहर में जमा हो चुके थे। जैसे ही कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद की ओर कूच करने की कोशिश की, पुलिस और भीड़ के बीच झड़प हो गई। जब बैरिकेडिंग के बावजूद भीड़ नहीं हटी, तो मुलायम ने पुलिस को गोली चलाने का आदेश दिया, जिससे भगदड़ और अफरा–तफरी मच गई थी।

राजनाथ और योगी ने लखनऊ में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह न केवल उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के लिए एक उपलब्धि है, बल्कि इससे रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प को एक नयी ऊर्जा भी मिलेगी। बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर में स्थित अपने नए केंद्र में मिसाइल प्रणाली के पहले समूह का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। इस अत्याधुनिक इकाई का उद्घाटन ११ मई, २०२५ को किया गया था। इसमें मिसाइल एकीकरण, परीक्षण और अंतिम

गुणवत्ता जांच के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। भारतीय सशस्त्र बल सफल परीक्षण के बाद मिसाइलों को तैनाती के लिए तैयार करते हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

२०१४ से पहले देश में और २०१७ से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ ईद मिलन जैसे आयोजन ही होते थेः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दावा किया कि २०१४ से पहले देश में और २०१७ से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ ईद मिलन जैसे आयोजन ही होते थे और सनातन धर्म के पर्वों पर ऐसे समारोह दुर्लभ थे। उन्होंने कहा कि अब होली और दिवाली के मिलन समारोह सामाजिक एकता की नींव बन रहे हैं। योगी ने कहा कि अयोध्या का दीपोत्सव कार्यक्रम से राम मंदिर निर्माण का संकल्प साकार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, "लाखों दीपों के साथ अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया और आज भव्य राम मंदिर पूरी दुनिया में सनातनियों के गौरव का प्रतीक बन चुका है।" उन्होंने कहा कि संतों का आशीर्वाद और जनता का संघर्ष मंदिर निर्माण में फलित हुआ, जिसे २५ नवंबर के बाद और भव्य रूप में

देखा जा सकेगा। योगी ने कहा, "हमने गुलामी के प्रतीक फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया। यह संकल्प की ताकत थी।" एक बयान के मुताबिक, लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में आयोजित दीपावली कार्यकर्ता परिवार मिलन समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि यह आयोजन सनातन धर्म की हजारों वर्ष पुरानी परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "हमारे पर्व और त्योहार विशिष्ट युगांतरकारी घटनाओं से जुड़े हैं, जो समाज को नई दिशा देते रहे हैं। लेकिन पहले यह सामूहिकता सीमित थी।" मुख्यमंत्री ने दावा किया, "२०१४ से पहले देश में और २०१७ से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ ईद मिलन जैसे आयोजन ही होते थे और सनातन धर्म के पर्वों पर ऐसे समारोह दुर्लभ थे। अब होली और दीपावली मिलन समारोह सामाजिक एकता का आधार बन रहे हैं।

अखिलेश यादव ने सरकारी दिवाली खर्च पर उठाए सवाल, बोले- क्रिसमस के जश्न से सीखें

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को राजनीतिक विवाद खड़ा करते हुए दिवाली समारोहों पर सरकार के भारी खर्च पर सवाल उठाए और इसकी तुलना दुनिया भर में क्रिसमस के जश्न से की। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को शहरों में क्रिसमस मनाने के तरीके से सीखना चाहिए। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, यादव ने कहा, 'मैं भगवान राम के नाम पर एक सुझाव देना चाहूंगा। दुनिया भर में, क्रिसमस के दौरान सभी शहर महीनों तक जगमगाते रहते हैं। हमें उनसे सीखना चाहिए।' उन्होंने सरकार के खर्च करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा, 'हमें दीयों और मोमबत्तियों पर पैसा क्यों खर्च करना पड़ता है और इसके लिए इतना सोचना क्यों पड़ता है?' उन्होंने आगे सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं? इसे हटा दिया जाना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि और भी खूबसूरत रोशनियां हों।' लोकसभा सांसद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अयोध्या दिवाली मनाने के लिए २६ लाख से ज्यादा दीये जलाकर एक नया विश्व

रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, रिकॉर्ड २६,११,१०१ दीये राम की पैड़ी और ५६ घाटों को रोशन करेंगे, जो अयोध्या की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भव्यता को प्रदर्शित करेगा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि लैंपों की गिनती उनके रखे जाने के पैटर्न के आधार पर की जा रही है।

बाल देखभाल संस्थाओं में दीपावली का पर्व बच्चों के साथ मनाने का निर्देश' 'अपर मुख्य सचिवः लीना जौहरी

लखनऊ। महिला कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों को यह निर्देश जारी किया गया है कि वे आगामी २० अक्टूबर २०२५ को अपने–अपने जनपदों में संचालित बाल देखभाल संस्थाओं में आवासित बच्चों के साथ दीपावली का पर्व अपने परिवार सहित मनाएँ। 'अपर मुख्य सचिव, महिला कल्याण विभाग, श्रीमती लीना जौहरी' ने अपने निर्देशों में कहा है कि यह बच्चे सामाजिक एवं आर्थिक रूप से विपरीत परिस्थितियों के कारण अपने परिवारों से अलग हैं और राज्य सरकार की संरक्षण व्यवस्था के अंतर्गत जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे में इन बच्चों को परिवार के स्नेह, सान्निध्य और अपनत्व की विशेष आवश्यकता होती है। प्रदेश में वर्तमान में महिला कल्याण विभाग के अधीन 'दत्तक ग्रहण इकाइयाँ, शिशु गृह, बाल गृह, सम्प्रेक्षण गृह, विशेष गृह, प्लेस ऑफ सेफ्टी, आफ्टर–केयर संस्थाएँ तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु बाल गृह' संचालित हैं। इन संस्थाओं में रह रहे बच्चे राज्य सरकार के संरक्षण में पूरी देखभाल, शिक्षा, पोषण और सुरक्षा प्राप्त करते हैं। श्रीमती जौहरी ने कहा कि दीपावली जैसे उत्सव के अवसर पर जब पूरा समाज अपने परिवार के साथ आनंद और उत्साह से यह पर्व मनाता है, तब इन संस्थाओं के बच्चे अपने परिवार की अनुपस्थिति को गहराई से महसूस करते हैं। ऐसे में यदि प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि या स्वयंसेवी संगठन इन बच्चों के बीच पहुँचकर उनके साथ कुछ समय व्यतीत करें, मिठाइयाँ बाँटें या उन्हें उपहार दें, तो यह उनके जीवन में खुशी, अपनापन और आत्मीयता का संचार करता है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बाल गृहों के बच्चे समाज की साझा जिम्मेदारी हैं। उनके भीतर आत्मविश्वास और स्नेह का भाव बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम समय–समय पर उनके साथ सहभागिता करें और उनके जीवन में उत्सवों के माध्यम से नई ऊर्जा का संचार करें। उन्होंने जिलाधिकारियों से अपेक्षा की है कि वे न केवल स्वयं अपने परिवार सहित इन गृहों में दीपावली मनाएँ, बल्कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों को भी प्रेरित करें कि वे बाल देखभाल संस्थाओं में जाकर बच्चों के साथ त्योहार मनाएँ और इस पर्व को "बच्चों के प्रति समर्पित दीपावली" के रूप में मनाएँ। महिला कल्याण विभाग का यह पहल प्रदेश में बाल कल्याण के क्षेत्र में संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण को और सशक्त बनाएगा। दीपावली जैसे पर्व के माध्यम से संस्थाओं में रहने वाले बच्चों को समाज और शासन के स्नेह का प्रत्यक्ष अनुभव होगा, जिससे उनमें आत्मीयता, प्रसन्नता और नये उत्साह का संचार होगा।

एनआईए, एटीएस के अधिकारी बनकर बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट' किया, १.४४ करोड़ रुपये ठगे

लखनऊ। साइबर जालसाजों ने खुद को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) का अधिकारी बताकर पुणे के ७०–वर्षीय एक व्यक्ति को 'डिजिटल अरेस्ट' करने के बाद उससे १.४४ करोड़ रुपये की ठगी की। लिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। साइबर थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पीड़ित को २३ सितंबर को एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को मुंबई से निरीक्षक बताया। अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए कहा कि व्यक्ति ने पीड़ित को बताया कि एटीएस की लखनऊ इकाई ने एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है, जिसने आतंकवादी गतिविधियों के लिए शिकायतकर्ता के नाम पर बैंक खातों का इस्तेमाल किया था। अधिकारी ने कहा, "बाद में पुलिस की वर्दी पहने एक अन्य व्यक्ति ने वीडियो कॉल पर उससे बात की और बताया कि आगे की जांच एनआईए प्रमुख करेंगे। इस दौरान पीड़ित को वीडियो कॉल चालू

रखने के लिए कहा गया और डर से उसने ऑनलाइन ठगी करने वालों के खातों में १.४४ करोड़ रुपये अंतरित कर दिए।" अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

महागठबंधन में सीटों को लेकर घमासान, भाजपा का आरोप- पैसे लेकर बेचे जा रहे टिकट

नई दिल्ली। बिहार भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को महागठबंधन पर विधानसभा चुनाव में पैसे लेकर उम्मीदवारों को टिकट बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन में आंतरिक कलह है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार के मतदाता महागठबंधन की अंदरूनी कलह और पैसे लेकर टिकट बेचने की प्रक्रिया देख रहे हैं... महागठबंधन आज तक सीटों का बंटवारा नहीं कर पाया... ऐसे में सरकार कैसे चलेगी? उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भी आलोचना की, जिनके बारे में उनका मानना है कि वे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर से 'जन नायक' शब्द 'छीनने' की कोशिश कर रहे हैं। बिहार भाजपा अध्यक्ष ने इसे 'बिहार और पिछड़े समुदाय का अपमान बताया। दिलीप जायसवाल ने कहा कि एक तरफ, राहुल गांधी कर्पूरी ठाकुर से 'जन नायक' शब्द छीनना चाहते हैं... यह बिहार और पिछड़े समुदाय का अपमान है। दिलीप जायसवाल ने राहुल गांधी की आलोचना कई कांग्रेस नेताओं द्वारा उनके लिए 'जन नायक' शब्द का

इस्तेमाल करने के बाद की है। यह शब्द आमतौर पर भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर से जुड़ा है। इससे पहले, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कुछ साझा सीटों पर उम्मीदवार उतारने को लेकर विपक्षी महागठबंधन की आलोचना की और कहा कि 'दोस्ताना लड़ाई जैसी कोई चीज नहीं होती' केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी दल पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच विवाद उनकी हार का कारण बनेगा। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, आरजेडी और कांग्रेस के बीच साझा सीटों पर लड़ाई के बारे में पासवान ने कहा, ष्दोस्ताना लड़ाई जैसी कोई चीज नहीं होती, या तो आप दोस्त होते हैं या आपस में लड़ रहे होते हैं। राजनीति में दोस्ताना संघर्ष नहीं होताय यह गलत शब्दावली है।' बिहार चुनाव २०२५ के लिए मतदान ६ और ११ नवंबर को होगा। नतीजे १४ नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने सोमवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें राज्य भर में १४३ दावेदारों को मैदान में उतारा गया। दूसरे चरण के नामांकन के आखिरी दिन आधिकारिक सूची जारी की गई। १४३ उम्मीदवारों में २४ महिला उम्मीदवार शामिल हैं।

गंगा नदी में नहाने गईं तीन लड़कियों की डूबने से मौत

गाजीपुर। गाजीपुर जिले के करंडा क्षेत्र में रविवार को गंगा नदी में नहाने गईं तीन लड़कियों की डूबने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने करंडा थाना क्षेत्र के रमजानपुर गांव की रहने वाली पूनम यादव (१६), रोली यादव (१६) और खुशी यादव (१४) अमवा घाट

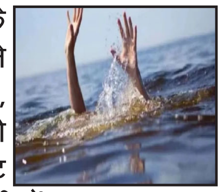

पर नहाते समय गंगा नदी में डूब गईं। तीनों के शव पानी से निकाल लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि रमजानपुर गांव की ये लड़कियां रविवार सुबह गंगा घाट पर नहाने के लिए पहुंची थीं और नहाते समय एक लड़की गहरे पानी में डूबने लगी तो उसे बचाने की कोशिश में बाकी दो लड़कियां भी गहरे पानी में चली गईं और वे भी डूब गयीं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से लड़कियों की तलाश शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि पूनम यादव और रोली यादव के शव पहले बरामद किए गए। बाद में खुशी यादव का शव भी बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

त्योहारों पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने दिए निर्देश

लखनऊ। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा त्योहारों के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर रोकथाम के उद्देश्य से जारी विशेष अभियान के उपरांत विभागीय कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में आयुक्त, डॉ. रोशन जैकब द्वारा आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, जिनका अनुपालन प्रदेश के सभी प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि त्योहारों के दौरान प्रवर्तन अधिकारी अपने क्षेत्र में अनावश्यक निरीक्षण या नमूना संग्रहण नहीं करेंगे, जिससे खाद्य कारोबारियों और आम जनता को असुविधा न हो। हालांकि, वे सतर्क रहेंगे ताकि मिलावट की किसी भी सूचना या शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जा सके। त्योहारों के बाद मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। आयुक्त ने चेतावनी दी है कि किसी छोटे प्रतिष्ठान या वेंडर के यहां बार–बार नमूना लेकर उत्पीड़न नहीं किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यवाही का उद्देश्य केवल नमूना संग्रहण नहीं, बल्कि खाद्य प्रतिष्ठानों की स्वच्छता, कच्चे माल का रखरखाव और उत्पादों की गुणवत्ता का मूल्यांकन भी है। यदि निरीक्षण के दौरान किसी कमी का पता चलता है, तो पहले सुधार का नोटिस दिया जाएगा, और सुधार न होने पर लाइसेंस निलंबित करते हुए **FSS Act**, २००६ की धाराओं के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी। डॉ. जैकब ने निर्देश दिए हैं कि जो कारोबारी संगठित रूप से मिलावटी खाद्य पदार्थों का निर्माण, भंडारण, वितरण या विक्रय करते हैं, उनके विरुद्ध **BNS** के तहत **FIR** दर्ज कराई जाए। जिन क्षेत्रों में ऐसे नेटवर्क सक्रिय हैं, वहाँ

Gangster Act और **Arms Act** के तहत भी कार्रवाई हेतु जिला मजिस्ट्रेट को संस्तुति भेजी जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि सभी खाद्य प्रतिष्ठानों पर **Food Safety Sticker** अनिवार्य रूप से लगाया जाए, जिसमें प्रतिष्ठान का नाम, मोबाइल नंबर, विभागीय टोल–फ्री नंबर एवं **QR Code** अंकित हो, ताकि उपभोक्ता मौके पर ही फीडबैक दर्ज करा सकें। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उपरोक्त दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे त्योहारों के दौरान प्रदेश में मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध कठोर रोकथाम कायम रहे और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

घड़ियाली आंसू बहाने वाले कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की फतेहपुर में दलित परिवार से मुलाकात को लेकर उन पर तीखा हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि ''घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है।'' रायबरेली जिले के ऊंचाहार क्षेत्र में फतेहपुर जिले के निवासी अनुसूचित जाति के हरिओम वाल्मीकि (४०) की चोरी के शक में एक और दो अक्टूबर की दरम्यानी रात भीड़ ने पीट–पीटकर हत्या कर दी थी। बाद में मारपीट और हरिओम के शव के वीडियो अ नलाइन सामने आए, जिससे लोगों में व्यापक आक्रोश फैल गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह फतेहपुर पहुंच कर वाल्मीकि परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया और भाजपा सरकार को दलित विरोधी बताया। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए मौर्य ने कहा, ''राहुल गांधी लगातार निम्न स्तर का व्यवहार कर रहे हैं और वोट बैंक की ओछी राजनीति के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। वह वहां फोटो खिंचवाने गए थे। पीड़ित परिवार के दर्द को कम करने से उनका कोई लेना–देना नहीं है।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकि की हत्या करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और मामले में ''और भी कार्रवाई'' की जाएगी। उन्होंने कहा, ''किसी को भी बख्शा

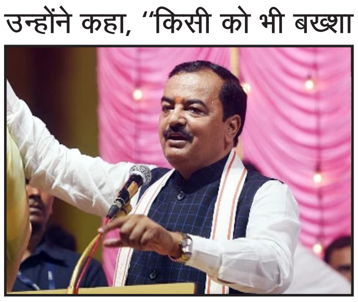

नहीं जाएगा। मौत पर राजनीति करना कांग्रेस का काम है।'' इससे पहले, मौर्य ने गांधी की फतेहपुर में वाल्मीकि परिवार से मुलाकात के कुछ देर बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राहुल गांधी जी आपको शर्म आनी चाहिए। यह आपका फोटो खिंचवाने का कार्यक्रम मात्र है। पोस्ट में मौर्य ने कहा, ''सबका साथ सबका विकास सबका सम्मान और सुरक्षा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, संबंधित मामले में कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।'' उपमुख्यमंत्री ने राहुल पर तंज कसते हुए पोस्ट में कहा, ''पीड़ित परिवार की पीड़ा से आपका कोई लेना देना नहीं है। नौटंकी बंद करो, घड़ियाली आंसू बहाने वाले कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है।'' प्रदेश सरकार में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता का उग्र दौरा राजनीतिक पर्यटन से ज्यादा कुछ नहीं। मंत्री ने कहा कि यह जातिगत अपराध नहीं था और फतेहपुर में घटी यह घटना बेहद दुखद और संवेदनशील है, लेकिन इसे जाति से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''आरोपियों में सभी वर्गों के लोग हैं और किसी को भी पीड़ित की जाति की जानकारी नहीं थी। राहुल गांधी इसे जातिगत रंग देने की असफल कोशिश कर रहे हैं। अरुण ने कहा कि सच्चाई यह है कि परिवार उनसे मिलने को तैयार नहीं हुआ और ''जब मैं और कैबिनेट मंत्री राकेश सचान जी परिवार से मिले थे, तब परिवार पूरी तरह संतुष्ट था। उनकी नौकरी की मांग तत्काल पूरी की गई और न्याय भी मिला।'' मंत्री ने बताया कि इस सामूहिक हत्या में नामजद २१ आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है और एक मुठभेड़ भी हुई है।

पांच साल की बच्ची की बलात्कार के बाद हत्या के जुर्म में दो व्यक्तियों को मौत की सजा सुनाई गई

आगरा। आगरा की एक विशेष अदालत ने पांच साल की बच्ची के अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और निर्मम हत्या के जुर्म में दो दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। सरकारी वकील ने शुक्रवार को कहा कि अदालत ने इस अपराध को दुर्लभ से दुर्लभतम माना है। पोक्सो अदालत की विशेष न्यायाधीश सोनिका चौधरी ने अमित और निखिल नामक आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। सरकारी वकील सुभाष गिरी और विजय किशन लवानिया के मुताबिक, दोनों पर कुल ४.५ लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया, जो पीड़िता के माता–पिता को मुआवजे के तौर पर दिया जाएगा। अदालत ने कहा कि फिरौती के लिए अपहरण, सामूहिक बलात्कार और हत्या जैसे अपराधों के लिए कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। अभियोजन पक्ष ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पुष्टि होने तक मौत की सजा पर अमल स्थगित रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक, पांच साल की बच्ची १८ मार्च, २०२४ को लापता हो गई थी। अगले दिन, अमित ने पीड़िता के पिता को फोन करके छह लाख रुपये की फिरौती मांगी और पुलिस को बताने पर बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। जब फिरौती नहीं दी गई, तो उसने पर बच्ची का यौन उत्पीड़न किया और उसकी हत्या कर दी। पीड़िता का शव २० मार्च २०२४ को रेलवे लाइन के पास एक सरसों के खेत से बरामद किया गया था। पोस्टमॉर्टम में गला घोंटने के निशान और यौन हमले के सबूत मिले।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभिन्न दलों के प्रमुख नेताओं ने प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई और शुभकामना दी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभिन्न दलों के प्रमुख नेताओं ने सोमवार को प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई और शुभकामना दी। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, "सत्य, सनातन, सदाचार और सकारात्मकता की शाश्वत विजय के पावन प्रतीक महापर्व दीपावली की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! प्रभु श्री राम और माता जानकी की कृपा से घरों के साथ हृदय भी आलोकित हों, सभी के जीवन में विश्वास, उत्साह और उमंग का दीप प्रज्वलित हो, यही प्रार्थना है। जय जय सियाराम!" राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने देशवासियों को दीपावली, गोवर्धनपूजा, तथा भाईदूज की बधाई दी। सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में

यादव ने कहा, "प्रकाश पर्व दीपावली का त्योहार सभी लोग मिल जुलकर मनायें। एक दूसरे का सम्मान करें।" बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 'एक्स' पर लिखा "शुभ दीपावली – उत्तर प्रदेश की जनता और सभी देशवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।" उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर लिखा, "अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य तथा निराशा पर आशा की विजय के प्रतीक महापर्व दीपावली की समस्त देश व प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं!" उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लिखा, "दीपावली का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, वैभव और खुशियों का प्रकाश लेकर आए ऐसी ईश्वर से मंगल कामना करता हूं।" भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा, "आप सभी प्रदेशवासियों को अंधकार पर प्रकाश की शाश्वत विजय के पावन पर्व दीपावली की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं।

यह निकम्मी सरकार है बिजली, ट्रैफिक, स्मार्ट सिटी..कहीं नहीं विकास : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को ध नतेरस और दिवाली की सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने योगी सरकार की तीखी आलोचना करते हुए उसे निकम्मी सरकार करार दिया और कहा कि इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। एक सभा को संबोधित करते हुए, सपा प्रमुख ने कहा कि यह निकम्मी सरकार है। इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। राज्य की हालत यह है कि लखनऊ में हर जगह ट्रैफिक जाम है, फिर भी इसे स्मार्ट सिटी कहा जा रहा है। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि लखनऊ को तीसरा सबसे स्मार्ट शहर घोषित करने वाले अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शहर में इतना कचरा और ट्रैफिक है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी ट्रैफिक को नियंत्रित नहीं कर पाते।' अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका की आलोचना करते हुए कहा कि वे

प्रचार करने के बजाय फूट डाल रहे हैं। उन्होंने एनडीए सरकार पर नफरत फैलाने, नकारात्मक विचार रखने और नागरिकों के एक समूह को बहिष्कृत करने का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के चुनावी रणक्षेत्र में प्रवेश किया और भाजपा के रामें पाल यादव (दानापुर) और एनडीए के श्याम रजक (फुलवारी शरीफ) के समर्थन में रैलियों को संबोधित किया। राजद–कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने उन पर 'विकास बनाम बुर्का' की विभाजनकारी राजनीति को हवा देकर बिहार के विकास को पटरी से उतारने का आरोप लगाया। योगी ने कहा, 'जिन्होंने कभी बिहार को जंगलराज में धकेल दिया था, वे फिर से लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने मतदाताओं को 'फर्जी मतदान' के प्रति आगाह किया और आरोप लगाया कि राजद–कांग्रेस मतपत्र छीनने और फर्जी मतदान के युग में वापस लौटना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ये दल ईवीएम का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें पारदर्शी चुनावों का डर है।

दीपावली पर लगी 48 जगहों पर आग

गाजियाबाद। दीपावली के पर्व पर जहां चारों ओर रोशनी और उत्साह का माहौल था, वहीं पटाखों और लापरवाही के चलते गाजियाबाद में कई जगह आग लगने की घटनाएं भी सामने आईं। फायर सर्विस विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से हालांकि सभी घटनाओं पर जल्द ही काबू पा लिया गया और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर सर्विस गाजियाबाद के अनुसार, २० अक्टूबर की सुबह ६ बजे से लेकर २१ अक्टूबर की सुबह ६ बजे तक कुल ४८ फायर कॉल्स प्राप्त हुईं। इन कॉल्स में फ्लैट और मकानों से संबंधित १४ घटनाएं, दुकान और शोरूम में ७, वाहनों में ३, फैक्ट्री व गोदाम में ५, कूड़ा और कबाड़ में १५, मीटर, ट्रांसफार्मर या वॉटर कूलर में २, तथा अन्य श्रेणी में २ घटनाएं शामिल रहीं। फायर विभाग की टीमों ने सभी स्थानों पर तुरंत पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाया। विभाग के अनुसार, १४ हॉटस्पॉट स्थानों पर फायर टेंडर पहले से ही तैनात किए गए थे, जिसके चलते

रिस्पांस टाइम में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला और आग को फैलने से रोका जा सका। मुख्य घटनाओं में साहिबाबाद के मोहन नगर स्थित अजंता कंपाउंड की फैक्ट्री में लगी आग प्रमुख रही। वहीं, कोतवाली क्षेत्र के नंदग्राम में एक पन्नी के गोदाम में आग भड़क गई, जिसे फायर टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू में किया। इसके अलावा संजय नगर में दुकानों के बाहर खड़ी लगभग छह बाइक और स्कूटी में आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं। फायर सर्विस गाजियाबाद की टीमों ने सभी घटनास्थलों पर पहुंचकर तेजी से कार्रवाई की और आसपास के मकानों व इमारतों को सुरक्षित बचाया। अधिकारियों ने बताया कि कहीं भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, यह विभाग की सतर्कता और लोगों के सहयोग का परिणाम है। फायर विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे पर्वों के दौरान सावधानी बरतें, पटाखों का उपयोग सीमित मात्रा में करें, और बिजली के तारों, सजावट व गैस सिलेंडरों के आसपास सतर्क रहें ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ाएं गश्त, लापरवाही बर्दाश्त नहीं :योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहारों और समारोहों के संबंध में सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान 'जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी' और सभी अधिकारी मैदान में सक्रिय रहें, उनके कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, भीड़–भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, ड्रोन और सीसीटीवी से २४ घंटे निगरानी करने और किसी भी आपात स्थिति के लिए दमकल गाड़ियों को अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस, प्रशासन और नगर निगम के बीच निरंतर समन्वय पर भी जोर दिया। उन्होंने 'सुचाः यातायात, निर्बाध बिजली आपूर्ति और उचित स्वच्छता' बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि 'अपराधियों और माफिया तत्वों के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी रहना चाहिए और कहीं भी बिजली के तार लटकते नहीं मिलने चाहिए।' मुख्यमंत्री योगी ने आगे यह भी सुनिश्चित किया कि 'त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से मनाया जाए, जो सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।' इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को धनतेरस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि यह त्योहार भारत की सनातन हिंदू परंपरा में धर्म

और अर्थ दोनों का प्रतिनिधित्व करता है, सीएम योगी ने कहा कि यह भगवान धन्वंतरि की जयंती का भी प्रतीक है और उन्होंने उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास की आशा व्यक्त की। X पर एक पोस्ट में, यूपी सीएमओ ने लिखा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धनतेरस पर राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई दी है और उनकी सुख–समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के सनातन हिंदू धर्म के पुरुषार्थ चतुष्टय में धनतेरस न केवल धर्म बल्कि अर्थ का भी प्रतीक है। धनतेरस स्वास्थ्य के देवता भगवान धन्वंतरि की जयंती भी है।'

ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, महिला की मौत, पति गंभीर रूप से घायल

शामली। जिले के झिंझाना थाना इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे एक महिला की मौत हो गई और उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि झिंझाना थाना क्षेत्र में करनाल–मेरठ राजमार्ग पर केरटू गांव के पास शुक्रवार शाम तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार कुसुम (४०) की मौत हो गई और उसका पति सुमैर गंभीर रूप से घायल हो गया। झिंझाना थाना प्रभारी (एसएचओ) वीरेंद्र कसाना ने यहां संवाददाताओं को बताया कि मोटरसाइकिल सवार लोगों को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने कुसुम को मृत घोषित कर दिया। महिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और घायल का उपचार जारी है। कसाना ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब कुसुम और सुमैर मोटरसाइकिल से जसोई गांव से करनाल लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

सिंचाई विभाग के कर्मचारी ने आत्महत्या की

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के नवाबाद थाना क्षेत्र स्थित हाईडिल कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने कथित तौर पर पारिवारिक कलह के चलते आग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर घर में लगी आग पर काबू पाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि नवाबाद थाना क्षेत्र स्थित हाईडिल क लोनी में रहने वाले चंदन कोरी (३५) ने पारिवारिक विवाद के चलते रविवार रात करीब नौ बजे घर में ही आग लगाकर आत्महत्या कर ली। वह सिंचाई विभाग में चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी था। पुलिस के अनुसार आपसी कलह के चलते कोरी की पत्नी अलग रहती थी और वह यहां अपनी मां उर्मिला देवी के साथ रह रहा था। आत्महत्या करने से पहले उसने अपनी मां को डांटकर घर से बाहर निकाल दिया था। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

ब्रह्मोस सिर्फ भारत नहीं, दुनिया में मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियारः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को आत्मनिर्भर भारत का एक नया अध्याय लिखा गया, जब ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड की लखनऊ इकाई में उत्पादित सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। भारत माता की जय' के जयघोष के बीच जब मिसाइलों का पहला जत्था रवाना हुआ तो समारोह गर्व, गौरव और देशभक्ति से गूंज उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मोस केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुआ है, जो देश की खुशहाली का माध्यम बना है। जब व्यक्ति सुरक्षित रहता है, तभी चौन की नींद सोता है। लखनऊ में बनी मिसाइल पूरे देशवासियों की सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' संकल्प को साकार करने का यह क्षण प्रफुल्लित करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल न केवल भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार भी है। ब्रह्मोस के माध्यम से भारत अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ–साथ मित्र राष्ट्रों की सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम हो गया है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। सीएम योगी ने २०१८ के पहले इन्वेस्टर्स समिट का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ में ही प्रधानमंत्री ने दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी, जिसमें से एक उत्तर प्रदेश को मिला। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के ६ नोड्स में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के कार्य सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। लखनऊ में ब्रह्मोस,

झांसी में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अमेठी में एके–२०३ जैसे प्रोजेक्ट चल रहे हैं। अब तक २,५०० एकड़ से अधिक लैंड इन ६ नोड्स में उपलब्ध कराई गई है, जिससे १५,००० से अधिक नौजवानों को नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस केंद्र में आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग डिग्रीधारक युवा काम कर रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और रोजगार दोनों की पूर्ति कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। सीएम योगी ने बताया कि राज्य सरकार आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर दो 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित कर रही है, जिससे डिफेंस टेक्नोल जी और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह लखनऊ की भूमि अब राष्ट्र रक्षा, उद्योग, रोजगार और विकास के चारों आयामों को एक साथ साध रही है। यही उत्तर प्रदेश के बदलते चेहरे और आत्मनिर्भर भारत की पहचान है। सीएम योगी ने कहा कि आज डीजी ब्रह्मोस ने ४० करोड़ का जीएसटी चेक सौंपा है। हर वर्ष १०० ब्रह्मोस मिसाइल बनेंगी, जो बढ़कर १५० तक पहुंचेंगी, तो १५०–२०० करोड़ जीएसटी मिलेगा। यह 'आम के आम और गुठली के दाम' जैसा है। लखनऊ की लैंड अब सोना उगल रही है। यह देश की सुरक्षा की पूर्ति कर रही है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रही है। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर डीआरडीओ को और लैंड उपलब्ध करानेका आश्वासन भी दिया। सीएम योगी ने झांसी में ५६,००० एकड़ के नए इंडस्ट्रियल क रिडोर का जिक्र किया और कहा कि चित्रकूट में एक्सप्रेस–वे पर नोड विकसित हो रहा है। आईआईटी कानपुर और बीएचयू के साथ दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर काम चल रहा है। उन्होंने मेक इन इंडिया को मेक फॉर द वर्ल्ड बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुआ है, जो देश की खुशहाली को वितरित करने का माध्यम बना है। जब व्यक्ति सुरक्षित रहता है, तभी चौन की नींद सोता है। लखनऊ में बनी मिसाइल पूरे देशवासियों की सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के दोषी को २० वर्ष के कठोर कारावास की सजा

भदोही। भदोही की एक विशेष पोक्सो अदालत ने १५ साल की एक किशोरी का अपहरण कर उसके साथ डेढ़ साल तक दुष्कर्म करने के जुर्म में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए उसे २० साल के कठोर कारावास की सजा शनिवार को सुनाई। विशेष लोक अभियोजक (पोक्सो) धीरज शुक्ला ने बताया कि अदालत ने दोषी शैलेन्द्र माली (२३) पर २०,००० रुपये का अर्थदंड भी लगाते हुए पूरी धनराशि पीड़िता को देने का निर्देश दिया। शुक्ला ने बताया कि यह मामला जिले के कोइरौना थाना के एक गांव का है जहां के निवासी शैलेन्द्र माली ने कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली एक किशोरी के साथ डेढ़ वर्ष तक दुष्कर्म किया जिससे किशोरी गर्भवती हो गई और बाद में उसने नारी निकेतन में एक बच्चे को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले की सुनवाई विशेष अपर सत्र न्यायाधीश (पोक्सो) लोकेश कुमार मिश्रा की अदालत में हुई। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि किशोरी के अपहरण और जबरदस्ती उसे गुजरात के राजकोट में रख कर डेढ़ साल तक दुष्कर्म करने के आरोपी शैलेन्द्र माली के खिलाफ पीड़िता के पिता ने १८ मई, २०२४ को कोइरौना थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

ट्रक की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार युवक और दो बच्चियों की मौत

हरदोई। उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के संडीला कोतवाली क्षेत्र में एक ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक और दो नाबालिग बहनों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संडीला थाना इलाके में बेगमगंज फ्लाईओवर के पास गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार युवक और दो बच्चियों की मौके पर मौत हो गई। उसने बताया कि उन्नाव जिले में बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र का गुलहरिया निवासी प्रदीप कुमार और कासिमपुर थाना क्षेत्र के पल्हराई गांव में रहने वाला उसका भांजे करन दो मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि एक मोटरसाइकिल पर प्रदीप अपनी पत्नी के साथ बैठा था जबकि दूसरी मोटरसाइकिल पर करन प्रदीप की पुत्रियों काजल (१०) और अंशिका (११) के साथ था। उसने बताया कि बेगमगंज फ्लाईओवर के पास ट्रक ने करन की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में करन और दोनों बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। उसने बताया कि तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

आपत्तिजनक ऑडियो वायरल करने वाला गिरफ्तार

लखीमपुर–खीरी।आपत्तिजनक ऑडियो वायरल करने वाला गिरफ्तार बताते चलें फूलबेहड़ पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक ऑडियो वायरल करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पवन कुमार गौतम उर्फ गुड्डू पुत्र राजेंद्र प्रसाद के रूप में हुई है, जिसे उसके ही गांव गौरियापुरवा, मजरा जौधपुर, थाना फूलबेहड़, लखीमपुर से पकड़ा गया। रविवार समय करीब दोपहर की १रू३० बजे फूलबेहड़ कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक ऑडियो वायरल होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा द्वारा चलाए जा रहे अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ विधि कार्यवाही पूर्ण कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बाल सुंदर राणा, हेड कांस्टेबल श्यौदान सिंह, कांस्टेबल सूर्य प्रताप राघव और कांस्टेबल मनजीत सिंह शामिल थे।

परिवारों से शादी की इजाजत न मिलने पर प्रेमी जोड़ने ने आत्महत्या की

सहारनपुर। जिले में शादी की इजाजत नहीं मिलने की वजह से एक प्रेमी जोड़े ने शुक्रवार को कथित तौर पर जहर खाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि थाना सरसावा के अन्तर्गतग्राम सुआखेडी निवासी गौरव (२६) और काजल (२५) के बीच प्रेम सम्बध था और दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन दोनों के परिवार इस शादी के लिये तैयार नहीं थे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम दोनों मोटरसाइकिल से रेलवे अण्डरपास के निकट पहुंचे और दोनों ने वहीं पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उनकी हालत बिगड़ गई और वे वहीं पर गिर गए। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जैन ने बताया कि दोनों को उपचार के लिये प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र ले जाया गया जहां से उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज, पिलखनी में भेज दिया गया। इस बीच दोनों के परिवार भी वहां पहुंच गये और उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए परिजन उन्हें चिलकाना के एक निजी अस्पताल गये जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है।

एक व्यक्ति ने लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या की

देवरिया। जिले के खुखुन्दू थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार देवरिया जिले में खुखुंदू थाना क्षेत्र स्थित पड़री बनमाली गांव में शनिवार की रात आठ बजे रविशंकर सिंह (४०) ने बाथरूम में लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ कर मौके पर पहुंचे। हालांकि तब तक रविशंकर की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सीओ मनोज कुमार और थाना प्रभारी दिनेश कुमार मिश्र ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मनोज कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। उसकी बंदूक को कब्जे में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि बंदूक लाइसेंसी है और फ रेंसिक टीम ने नमूने एकत्र किए हैं। सीओ ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी दीपावली का तोहफा : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत (डीआर) में ३ प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। यह बढ़ोतरी १ जुलाई २०२५ से लागू होगी, जिसके बाद महंगाई भत्ता ५५ प्रतिशत से बढ़कर ५८ प्रतिशत हो गया है। इस निर्णय से प्रदेश के लगभग २८ लाख कर्मचारी और पेंशनर लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस फैसले को कर्मचारियों और पेंशनरों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनरोंध्पारिवारिक पेंशनरों के महंगाई भत्ते व महंगाई राहत की दर को ५५ प्रतिशत से बढ़ाकर १ जुलाई, २०२५ से ५८ प्रतिशत कर दिया है। महापर्व दीपावली के अवसर पर यह निर्णय लगभग २८

लाख कर्मयोगियों और पेंशनरों के जीवन में संतोष, सुरक्षा और समृद्धि का दीप जलाने के साथ ही उनके जीवन स्तर में सुधार का कारक बनेगा। सभी को बधाई। इस वृद्धि से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक राहत मिलेगी। यह कदम कर्मचारियों के वेतन और पेंशनरों की पेंशन में वृद्धि के रूप में परिलक्षित होगा, जिससे उनके परिवारों को आर्थिक स्थिरता मिलेगी। राज्य सरकार के कर्मचारियों का मानना है कि यह निर्णय न केवल हम लोगों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि दीपावली के त्योहारी सीजन में उनकी खरीदारी की क्षमता को भी मजबूत करेगा, जिसका सकारात्मक प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। राज्य सरकार के अनुसार, इस निर्णय से मार्च २०२६ तक राज्य के खजाने पर लगभग १६६० करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। फिर भी सरकार ने बढ़ती महंगाई के दबाव से जूझ रहे कर्मचारियों और पेंशनरों को राहत देने के लिए इस कदम को मंजूरी दी है। यह वृद्धि कर्मचारियों के वेतन और पेंशनरों की पेंशन में बढ़ोतरी के रूप में दिखाई देगी, जिससे उनके परिवारों को आर्थिक स्थिरता मिलेगी।

खुद को न्यायाधीश बताकर बैंक से धोखाधड़ी करने का प्रयास करने वाली महिला गिरफ्तार

बिजनौर। जिले की पुलिस ने खुद को न्यायिक अधिकारी बताकर एक निजी बैंक से कर्ज लेने की कोशिश करने वाली महिला, उसके चालक और एक कथित पेशकार सहित तीन लोगों को जालसाजी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला ने एक निजी बैंक से फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से ३० लाख रुपये का 'पर्सनल लोन' लेने का प्रयास किया था। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कृष्ण गोपाल ने बताया कि महिला की पहचान आयशा परवीन के रूप में हुई है, जिसने खुद को रामपुर में तैनात न्यायाधीश बताया था। उन्होंने बताया कि आयशा ने अनस नामक एक स्थानीय अधिवक्ता के साथ मिलकर बिजनौर स्थित बैंक शाखा में ३० लाख रुपये के कर्ज के लिए आवेदन किया और दस्तावेज जमा कराए। एएसपी ने बताया कि बैंक द्वारा ऋण स्वीकृत कर दिया गया था और शुक्रवार को आरोपी महिला को रकम खाते में अंतरित कराने के लिए बुलाया गया था। आयशा ने ऋण आवेदन के साथ देहरादून के एक बैंक का खाता विवरण (स्टेटमेंट) प्रस्तुत किया था, जिसमें लगभग डेढ़ लाख रुपये मासिक वेतन और खाते में कुल पांच लाख रुपये जमा दिखाए गए थे। बैंक अधिकारियों को दस्तावेजों पर संदेह होने पर उन्होंने देहरादून के संबंधित बैंक से खाता विवरण मंगवाया। जांच में सामने आया कि आरोपी महिला के खाते में मात्र ४० हजार रुपये जमा थे और कोई वेतन भुगतान नहीं हुआ था। इसके बाद बैंक ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। एएसपी के अनुसार, आयशा परवीन समेत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि महिला ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए धोखाधड़ी कर बैंक से ऋण लेने का प्रयास किया था। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चाकुओं से गोदकर किसान की हत्या, शव मिलने से मचा हड़कंप

कानपुर। स्वरूपनगर स्थित मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल से लापता किसान का रक्तरंजित शव तीसरे दिन जेके कैंसर संस्थान परिसर में मिलने से हड़कंप मच गया। किसान की चाकुओं से गोदकर हत्या की गई और शव को अस्पताल परिसर में गार्डनिंग एरिया में फेंका गया है। औरैया निवासी किसान पत्नी के फेफड़ों में इंफेक्शन का इलाज कराने आया था और दो माह से पत्नी की देखभाल कर रहा था। सूचना पर एसीपी स्वरूपनगर सुमित सुधाकर रामटके मौके पर पहुंचे। जांच–पड़ताल के बाद फ रेंसिक ने टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किया। डीसीपी सेंट्रल की क्राइम ब्रांच टीम ने भी मौके पर पड़ताल की और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। मूलरूप से औरैया के बहादुरपुर सहार के रहने वाले ५५ वर्षीय राज कुमार सिंह राजावत खेती–किसानी करते थे। परिवार में पत्नी अनीता, बेटी नम्रता और बेटा विशाल, जो बिहार में प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। चचेरे भाई तेजेंद्र उर्फ रामजी ने बताया कि भाभी अनीता के फेफड़ों में इंफेक्शन था। जिसके इलाज के लिए करीब डेढ़ माह पहले भाभी को मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। देखभाल के कारण राज कुमार खुद भी रह रहे थे। शुक्रवार शाम को पत्नी अनीता को खाना खिलाने के बाद राजकुमार खुद खाना खाने की बात कहकर अस्पताल से निकले थे। कई घंटे बीत जाने पर जब नहीं लौटे तो पत्नी व बेटी को चिंता हुई। खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला। इस पर शनिवार सुबह स्वरूपनगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के साथ लोकेशन ट्रेस कर रही थी, इसी बीच रविवार सुबह जेके कैंसर संस्थान परिसर में गार्डनिंग एरिया में रक्तरंजित शव मिलने से हड़कंप मच गया। गार्डनिंग एरिया की जाली तोड़कर शव अंदर फेंका गया था।हत्या की सूचना पर एसीपी स्वरूपनगर फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच–पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कराए। किसान के शरीर व पेट पर धारदार हथियार के कई निशान मिले हैं। हत्या की खबर पर राजकुमार के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर बेटा भी बिहार से निकल चुका है। पारिवारिक लोगों ने गांव की रंजिश की आशंका जताई है। जिसके चलते राजकुमार को कई बार जान की धमकी दी गई थी। थाना प्रभारी सूर्यबली पांडेय ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि परिवारिक रंजिश की आशंका नहीं है। फिलहाल हर बिंदु पर जांच की जा रही है।

दिवाली पर घर नहीं आई पत्नी पति ने पेट्रोल छिड़क खुद को लगा ली आग हालत गंभीर में इलाज जारी

लखीमपुर खीरी। सिंगाही थाना क्षेत्र के अयोध्या पुरवा गांव में शनिवार रात घरेलू कलह के कारण एक युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे युवक को सीएचसी निघासन में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया।जानकारी के अनुसार अयोध्या पुरवा निवासी ३५ वर्षीय संतराम का पत्नी से विवाद चल रहा था। परिजनों ने बताया कि संतराम की पत्नी काफी समय से मायके में रह रही है। दिवाली पर भी घर नहीं लौटी, जिससे संतराम मानसिक रूप से परेशान हो गया। देर रात वह गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप से पेट्रोल लेकर आया और घर के बाहर खुद पर छिड़क कर आग लगा ली। परिजनों ने शोर सुनकर किसी तरह कंबल व चादर डालकर आग बुझाई और आनन–फानन उसे निघासन सीएचसी पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि रेफर के बाद भी सीएचसी परिसर में एंबुलेंस खड़ी होने के बावजूद संतराम को समय से वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया।

ग्रामीणों का दावा धावापुर गांव में डेंगू का प्रकोप

लखनऊ। सरोजनी नगर सीएचसी क्षेत्र के धावापुर गांव में चार मरीजों की डेंगू रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इससे ग्रामीणों में दहशत है। इससे पहले बुखार से पीड़ित एक वृद्धा की मौत हो चुकी है। ग्रामीण ने मौत डेंगू से होने की आशंका जताई थी। जिसके बाद शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में शिविर लगाकर बुखार से पीड़ित मरीजों का इलाज किया था। साथ ही टीम ने ७७ मरीजों की डेंगू, मलेरिया की जांच कराई थी। सभी मरीजों की रिपोर्ट नेगेटिव होने का दावा किया गया था। विटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदें कानपुर रोड के धावापुर गांव के राजेंद्र सिंह की पत्नी रानी (६०) की मृत्यु हो गई। उन्हें कई दिनों से बुखार आ रहा था। परिजनों ने बताया था कि उनकी एंटीजन जांच में डेंगू की पुष्टि हुई थी। एलाइजा जांच में रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। इससे पहले मरीज अंजलि की भी मौत बुखार से हुई थी। गांव के १५ से अधिक लोग बुखार से पीड़ित थे। रविवार को चार की रिपोर्ट डेंगू पाजिटिव आई है। ग्रामीणों के मुताबिक डेंगू की पुष्टि गांव के इंद्र बहादुर (४५) ,श्याम बहादुर (४८), पवन सिंह (४७) और रामदयाल ५० में हुई। इंद्र बहादुर के मुताबिक रिपोर्ट की जानकारी उन सभी को सुबह फोन पर दी गई। बताया गया कि उन्हें डेंगू है और पूछा गया कि अगर वह सरकारी अस्पताल में इलाज कराना चाहते हैं तो एंबुलेंस भेजी जाए। हालांकि इंद्र बहादुर ने यह कहकर मना कर दिया कि वह अपना इलाज निजी अस्पताल में कराएंगे। इससे पहले चिकित्सकों की एक टीम गांव भी पहुंची थी। हालांकि टीम यहां इंद्र बहादुर के घर ही दवाओं के दो डिब्बे दिए और यह कहकर लौट गई कि जिन लोगों को बुखार आदि की समस्या हो उसे दे दें। सरोजनीनगर सीएचसी प्रभारी चंदन यादव ने बताया डॉक्टर पीयूष अवस्थी के नेतृत्व में जांच टीम गांव गई थी। कोई भी बुखार का नया मरीज नहीं मिला है। साथ ही क्षेत्र के पैथोल जी को नोटिस दी गई है डेंगू से कोई भी पीड़ित मरीज मिलता है। उसकी सूचना तुरंत सीएचसी को दी जाए। सीएचसी प्रभारी ने डेंगू मरीज मिलने की जानकारी से इनकार किया है। कहा कि मरीजों की रिपोर्ट देखकर ही इसकी पुष्टि की जाएगी।

पराली जलाने पर हुआ तीन किसानों पर जुर्माना गांव गांव की जा रही गोष्ठियां किसानों को किया जा रहा जागरूक - उप जिलाधिकारी

मोहम्मदी खीरी। पराली को लेकर प्रशासन सख्त सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश पर पराली जलाने वालों पर सेटेलाइट के माध्यम से निगरानी की जा रही है जानकारी देते हुए उप जिलाधिकारी चलुवराजु आर.ने बताया कि धान की कटाई शुरू हो चुकी है सभी किसान भाइयों से अनुरोध है की अपनी पराली को खेत में न जलाएं ,जानकारी मिलने पर निश्चित रूप से खेत मालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, वहीं उन्होंने बताया कि तहसील के दोनों विकास खण्ड में लेखपाल ,कानून गो और नायब तहसीलदार को इस पर विशेष निगाह रखने के निर्देश दिए गए हैं ,वही गांव गांव अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के माध्यम से संगोष्ठी भी आयोजित की जा रही है ,तथा किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है,कंबाइन से धान काटने पर रेफर का प्रयोग जरूर किया जाए अन्यथा कंबाइन भी सीज की जा सकती है ,उन्होंने बताया कि सिसौरा नासिर में एक किसान पर १०हजार रुपये बैनी राजेपुर और गौना गांव के किसानों पर पांच ,पाच हजार का जुर्माना किया गया है तथा विधिक कार्रवाई भी की जाएगी अपने खेत पर ही पराली को नष्ट करें।

लखनऊ यूनिट से रवाना होगी ब्रह्मोस की पहली खेप

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ शनिवार को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरोजिनी नगर स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ करेंगे। यह दिन न केवल उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भारत की रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के संकल्प को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस, जो विश्व की सबसे तेज और घातक सटीक प्रहार क्षमता वाली 'ब्रह्मोस' सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता है, ने लखनऊ की नई इंटीग्रेशन एंड टेस्ट सुविधा से मिसाइल सिस्टम की पहली खेप सफलतापूर्वक तैयार कर ली है। यह अत्याधुनिक यूनिट ११ मई को उद्घाटन के बाद पूरी तरह संचालन में आई थी। यहां मिसाइल इंटीग्रेशन, टेस्टिंग और अंतिम गुणवत्ता परीक्षण की सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। सफल परीक्षण के बाद मिसाइलें भारतीय सशस्त्र बलों के लिए तैनाती के लिए तैयार की जाती हैं। कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री बूस्टर भवन का उद्घाटन करेंगे तथा बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन भी देखेंगे। इसी क्रम में

एयरफ्रेम और एवियोनिक्स, वारहेड भवन में पीडीआई (प्री डिस्पैच इंस्पेक्शन) तथा ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रेजेंटेशन किया जाएगा। इसके अलावा इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम, स्टोरेज ट्रॉली प्रदर्शन, जीएसटी बिल प्रस्तुतीकरण और मोबाइल अ टोनमस ल न्चर का प्रदर्शन भी आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान डीजी (ब्रह्मोस) ड . जयतीर्थ आर. जोशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपेंगे, जिससे राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन से उत्तर प्रदेश को निरंतर जीएसटी आय प्राप्त होगी और उच्च कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। सरोजिनी नगर के भटगांव स्थित अत्याधुनिक ब्रह्मोस यूनिट उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। यहां मिसाइलों के असेंबली, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग का कार्य उच्च तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाता है। इस यूनिट से पहली खेप के रवाना होने के साथ ही प्रदेश 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के अभियान में एक सशक्त साझेदार बन गया है। लखनऊ ब्रह्मोस यूनिट उत्तर प्रदेश डिफेंस क रिडोर की पहली ऐसी सुविधा है, जहां मिसाइल सिस्टम के निर्माण से लेकर अंतिम परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया देश में ही की जाती है। यह परियोजना न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रदेश में रोजगार, निवेश और तकनीकी नवाचार के नए अवसर भी सृजित कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने भारतीय सशस्त्र बलों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता में तेजी से विस्तार किया है। लखनऊ का यह मैन्युफैक्चरिंग सेंटर न केवल भारतीय सेना की आवश्यकताओं को समयबद्ध रूप से पूरा करेगा, बल्कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय निर्यात बाजार की मांगों को भी पूरा करने में सक्षम होगा। लखनऊ में स्थापित यह समर्पित ब्रह्मोस यूनिट उत्तर प्रदेश को भारत के अगले एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां विकसित की जा रही अत्याधुनिक तकनीकें भविष्य में ब्रह्मोस एयरोस्पेस को और भी उन्नत वेरिएंट के मिसाइल सिस्टम विकसित करने में मदद करेंगी।

नहीं रहे अंग्रेजों के जमाने के जेलर एक्टर असरानी

लखनऊ। शोले फिल्म में ये कहने वाले 'हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं' जाने माने एक्टर असरानी का ८४ साल की उम्र में निधन हुआ है। बताया गया है कि असरानी पिछले काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। पिछले ५ दिनों से वो अस्पताल में थे। बताया गया है कि, वो फेंफड़ों की समस्या के चलते अस्पताल में थे। जिसके बाद उनका

निधन हुआ है। बताया गया है कि शाम ४ बजे करीब उनका निधन हुआ है। असरानी का जन्म १ जनवरी १९४१ को जयपुर में हुआ था। उनका पूरा नाम गोवर्धन असरानी था, लेकिन फिल्मों में वो आम–तौर पर "असरानी" नाम से जाने जाते थे। उन्होंने जयपुर के सेंट जेवियर्स स्कूल से पढ़ाई की थी और फिर राजस्थान कॉलेज से ग्रैजुएशन भी किया था। साल १९६७ में फिल्म हरे कांच की चूड़ियां से असरानी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वो बॉलीवुड की की फिल्मों में नजर आए और अपनी कॉमिक टाईमिंग के लिए मशहूर हुए। असरानी के वो किरदार जो हमेशा सबको हंसाते थे। १९७० में असरानी को सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली। उनकी कई सक्सेसफुल फिल्में हैं मेरे अपने, कोशिश, बावर्ची, परिचय, अभिमान, चुपके–चुपके, छोटी सी बात, रफू चक्कर और उनका सबसे हिट किरदार जेलर वाली फिल्म शोले। उनकी डायलॉग डिलीवरी इतनी परफेक्ट होती थी कि ना सिर्फ दर्शक बल्कि क्रिटिक्स भी उनकी तारीफ करते नहीं थकते थे। असरानी ने कई फिल्मों में लीड रोल भी किए हैं जैसे चला मुरारी हीरो बनने जिसे उन्होंने डायरेक्ट भी किया था और लिखा भी था। उन्होंने सलाम मेमसाब फिल्म भी डायरेक्ट की थी। गुजराती सिनेमा में भी उन्होंने अपना कमाल दिखाया है। उनके निधन को भतीजे अशोक असरानी ने कन्फर्म किया है। ५० वर्षों के लंबे सफर के बाद ३५० फिल्मों में काम किया। उनका अंतिम संस्कार मुम्बई–सांताक्रूज समाधि गृह में संपन्न हुआ। परिवार ने बताया कि उन्होंने चाहते थे कि उनकी विदाई बहुत धूम–धाम से न हो।

सनी देओल की 'गबरू' से होगी धमाकेदार वापसी, बर्थडे पर एक्टर ने किया नई फिल्म का ऐलान

मुम्बई। बर्थडे बॉय सनी देओल ने अपने ६८वें जन्मदिन पर अपनी नई फिल्म श्गबरूश की घोषणा करके अपने सभी प्रशंसकों को एक शानदार तोहफा दिया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला आधिकारिक लुक भी जारी किया है, जिससे उनके प्रशंसकों में हलचल मच गई है। फिल्म का लेखन और निर्देशन

शशांक उदापुरकर ने किया है। ब लीवुड अभिनेता सनी देओल ने रविवार को अपनी नई फिल्म गबरू का पहला पोस्टर साझा करके अपना ६८वां जन्मदिन मनाया। फिल्म १३ मार्च २०२६ को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म पटकथा का लेखन और निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है और इसका निर्माण ओम छंगानी और विशाल राणा ने किया है। देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर साझा किया। अभिनेता ने गबरू को साहस, विवेक और करुणा की कहानी बताया। कैप्शन में लिखा है, ताकत वह नहीं है जो आप दिखाते हैं, बल्कि वह है जो आपके करने में निहित है! आप सभी को आपके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। गबरू सिनेमाघरों में १३ मार्च २०२६ को आएगी। साहस, विवेक और करुणा की कहानी। मेरे दिल से दुनिया के लिए। फिल्म में मिथुन का संगीत और सईद कादरी का गीत होगा। देओल की हालिया फिल्म जाट अप्रैल में रिलीज हुई थी। गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणदीप हुड्डा भी थे। गबरू के अलावा, अभिनेता बॉर्डर २ और लाहौर १९४७ में भी दिखाई देंगे। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर २ २३ जनवरी, २०२६ को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी हैं और यह देओल की १९९७ में आई फिल्म ब र्डर की सीक्वल है। सनी देओल ने लाहौर १९४७ में अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ फिर से काम किया, जिनके साथ उन्होंने द हीरोः लव स्टोरी ऑफ ऑस्पाई , दिल्लगी और ये रास्ते हैं प्यार के जैसी फिल्मों में काम किया है। लाहौर १९४७ का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; cktibZ
lhrkiqj
eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली

विधिक सलाहकार
lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289

मो० अरशद
cgjkbp
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक